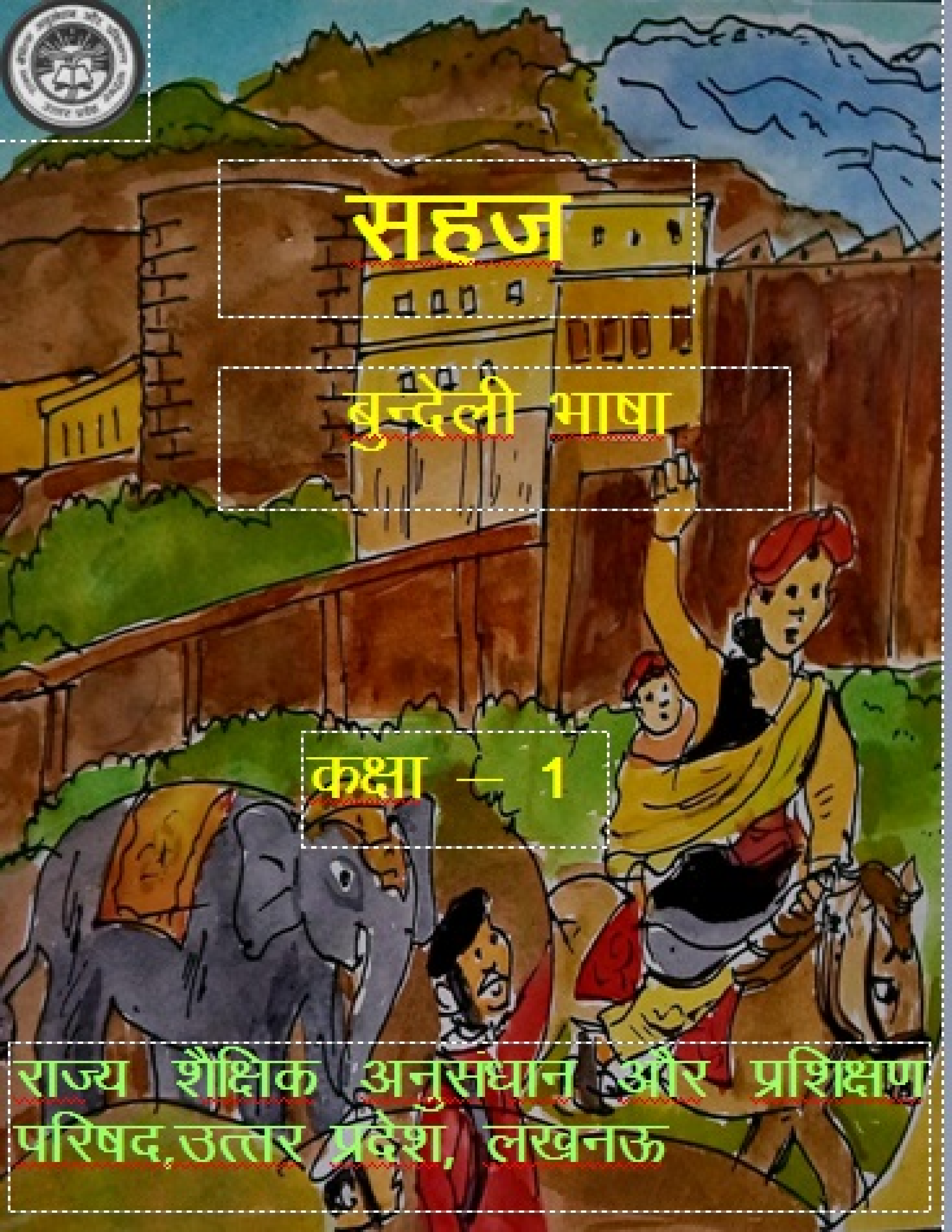

सहज

बुन्देली भाषा

कक्षा – 1

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद,उत्तर प्रदेश, लखनऊ

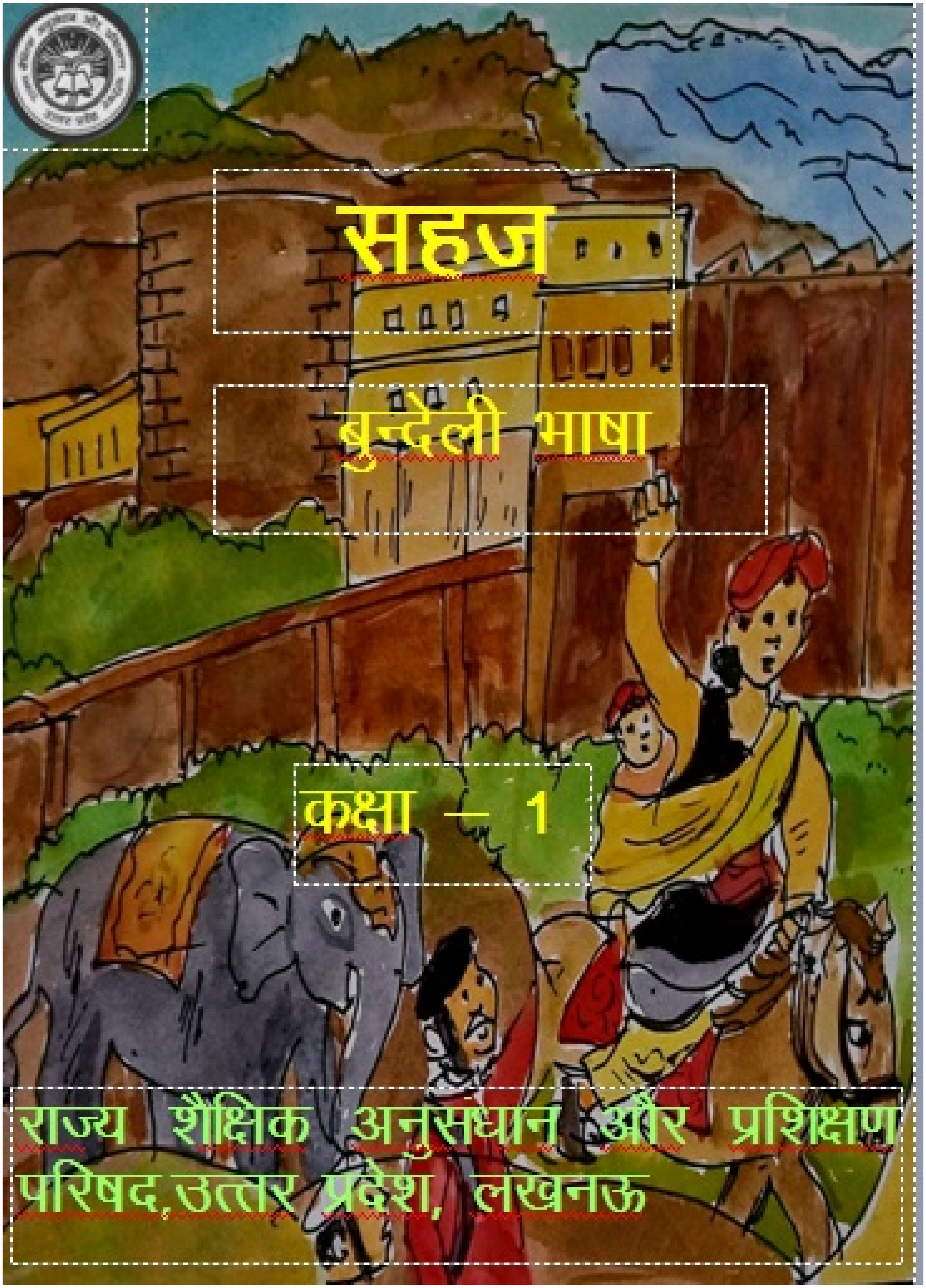

सहज

बुन्देली भाषा

कक्षा – 1

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद,उत्तर प्रदेश, लखनऊ

पाठ-1 हमाओ देश

DWISF6

हमाओ देश , सलोनो देश,

सच्चऊँ चाँदी सोनो देश ।

पर्वत घाटी बारो देश,

सोंधी माँटी बारो देश ।

ज्यों आँखन को तारो देश ,

हमाओ देश, तुमाओ देश ।

पाठ 2- बाग

ई चित्र को देख के बताओ तुमें का का दिखत है

हिंदी शब्द -बुन्देलखंडी शब्द

मधुमक्खी = मछौं की मांछी

मेढ़क = मेंदरो

बिल्ली =बिलइया

तोता =मिठ्ठू

चारपाई =खाट

डलिया =पिरिया

साफ़ा =मुङायछो

लड़का =मोंङा

अभ्यास

- **कौन की सें जुर रओ**

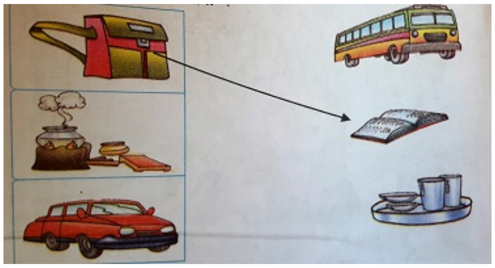

- **मीठू जा रई मिठाई खावे , गैल में का-का मिलो ?**

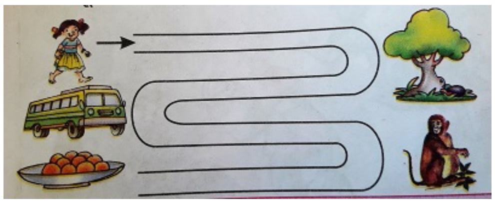

- **कौन तनक , कौन बिलात? तनक पे ☑ लगाओ –**

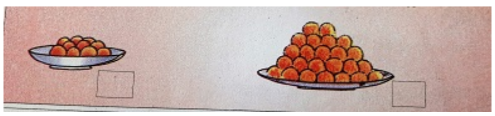

- **झूले के कोन लिंगा , कोन दूर ? दूर वारे पे ☑ निसान लगाओ –**

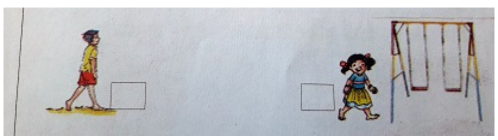

- **कोन हलको, कोन बडडो ? बड्डे पे ☑ निसान लगाओ-**

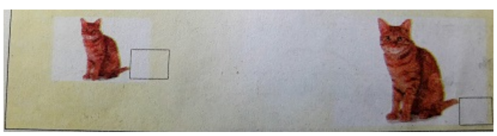

- **कोन हरओ, कोन गरओ? गरओ पे ☑ निसान लगाओ –**

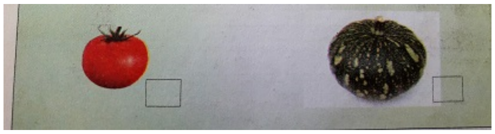

- **कौन ऊपरे , कौन नैचें ? उपरे वारे पे ☑ निसान लगाओ -**

- **कोन भीतरे , कोन बायरें ? भीतरे वारे पे ☑ निसान लगाओ –**

- **बताओ- कौन अंगाई ? कौन पिछाई ?**

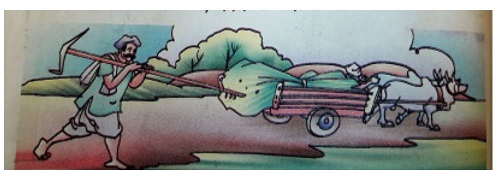

पाठ- 3- तालाब

3PRGTX

तला को चित्र दिखा कें मोड़ी- मोड़न सें बातें करो-

देखौ और गिनो-

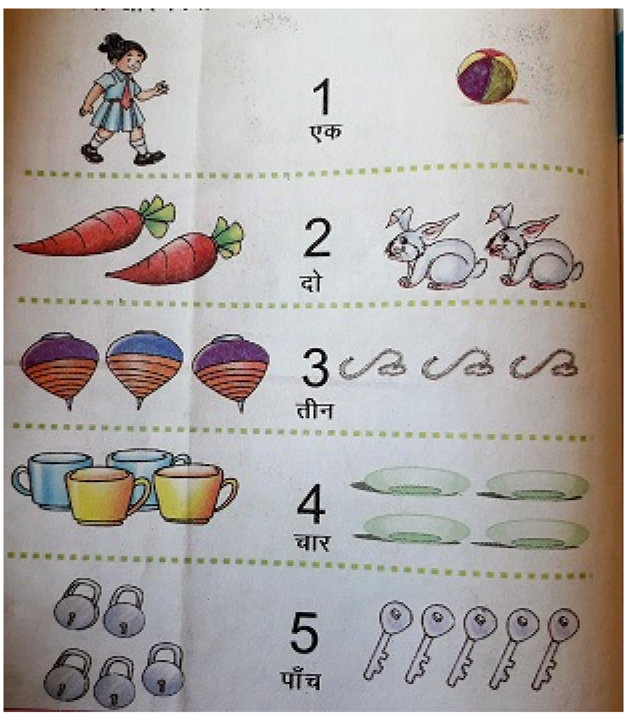

पाठ-4 भओ भुन्सारो

भओ भुन्सारो चिरइयां बोलीं । बच्चन ने तब आँखें खोलीं ।

अच्छे बच्चे दातुन करत ।

दातुन करकें कुल्ला करत।।

कुल्ला करकें मों खों धोत।

मों धो कें फिर रोजऊँ सपरत।।

रोज सपरकें खाना खात।

खाना खाकें पढ़बे जात ।।

पाठ 5- लिखबे की तैय्यारी

- **ऊगईयां फेरो**

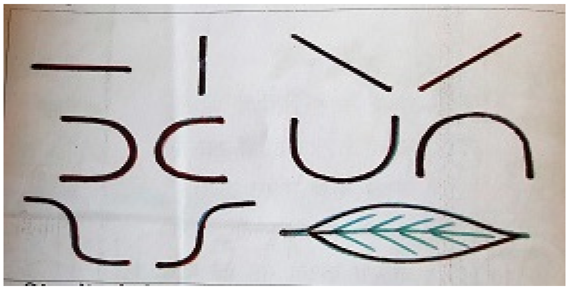

- **अंगूठन की छाप से तुम भी कछु चित्र बनाओ**

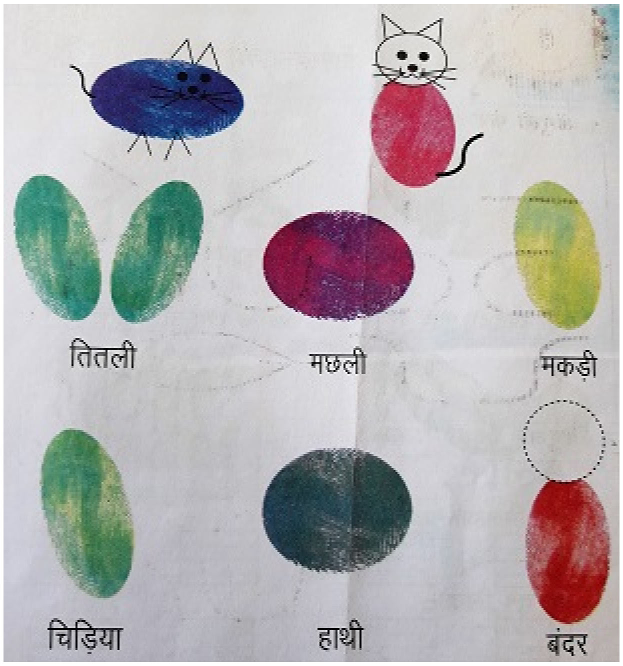

तितरी, मछरी , मकरी, चिरइया , हाती , बंदरा

पाठ 6- वर्णमाला गीत

Y1RQJB

अ -अनार

अनार के दाने लाल-लाल

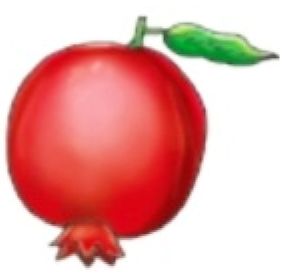

आ-आम

आम खा रये मिठ्ठू लाल

इ-इमली

इमली खट्टी मीठे बेर

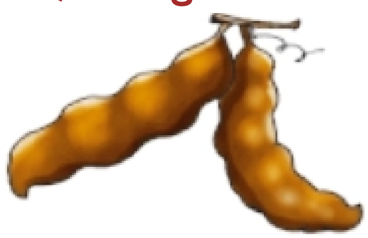

ई-ईख

ईख के खेत सें कङ आओ शेर

उ-उल्लू
उल्लू की हैं आँखें गोल

ऊ-ऊन
ऊन को गोला गोल-मटोल

ऋ-ऋषि
ऋषि बैठ के ध्यान लगात

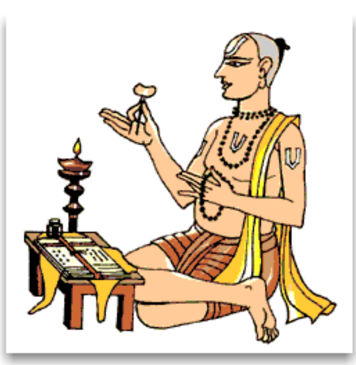

ए-एक
एक बिलइया घर खों जात

ऐ-ऐनक
ऐनक पैंने भालू आत

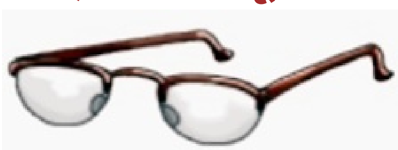

ओ-ओखरी
ओखल में हो कूटो धान

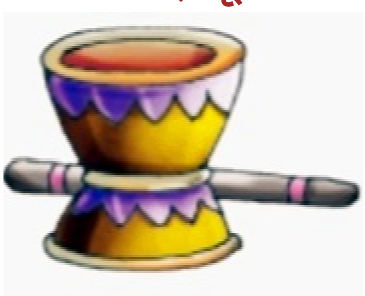

औ-औरत
औरत देखो बड़ी महान

अं-अंगूठा

बंदरा खात मीठे अंगूर

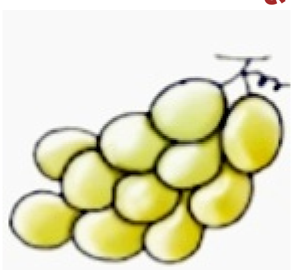

अः

अः अः पक गए खजूर

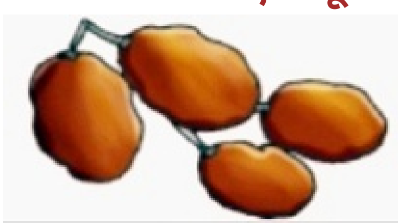

क-कबूतर

कबूतर करत गुटर-गूं

ख-खरगोश

खरा की मुड़ी में हो गए जूं

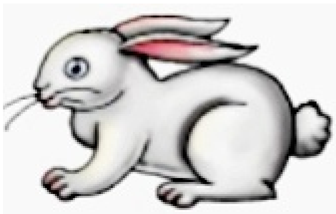

ग-गमला

गमला में हैं अच्छे फूल

घ-घडी

घडी कै रइ जाओ स्कूल

ङ

च-चना

चना चबाकें खाओ खूब

छ-छत्ता

छत्ता तानो जब होय धूप

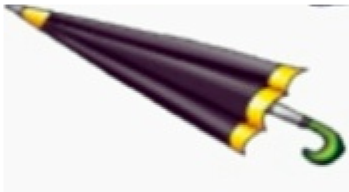

ज-जहाज

जल में जा रओ बड़ो जहाज

झ-झरना

झरना की झर-झर आबाज़

ञ

ट-टमाटर

टमाटर देखो गोल-मटोल

ठ-ठक-ठक

ठक-ठक हो रए बर्तन गोल

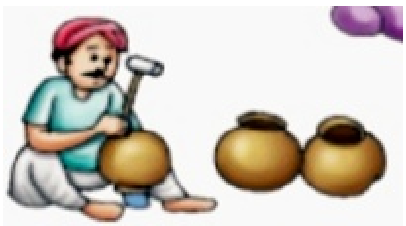

ड-डमरू

डमरू बोले डम डम बोल

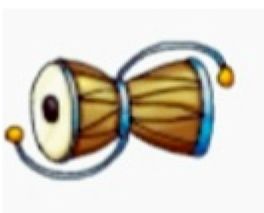

ढ-ढोल

ढम ढमा-ढम बजरओ ढोल

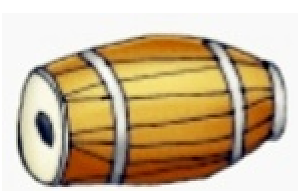

ण

त-तबला

तबला बोले तक-तक धिन

थ-थपरी

थपरी बजाए मम्मी हर दिन

द-दूध

दूध दही सब खा गई बिल्ली

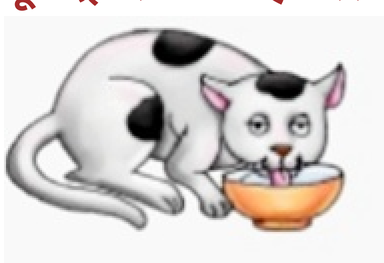

ध-धना

धना मटर अब पौंचे दिल्ली

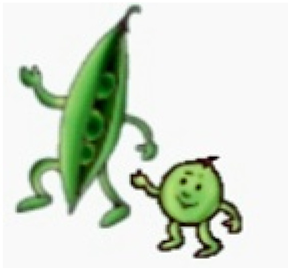

न-नल

नल को पानी,बरफ की सिल्ली

प-पतंग

पतंग उडी पीरी-असमानी

फ-फल
फल फलाई ले कें आयी हैं नानी

ब-बकरी
बकरिया पी गयी सबरा पानी

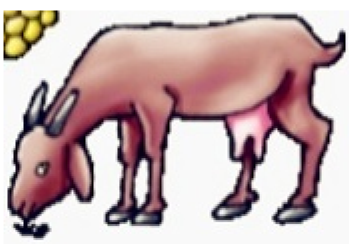

भ-भवन
भवन बनो है आलीशान

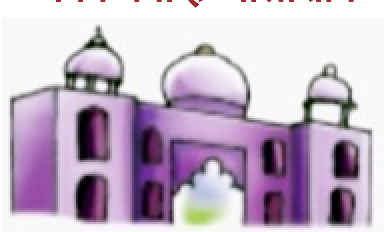

म-मछरी

मछरी की पानी में जान

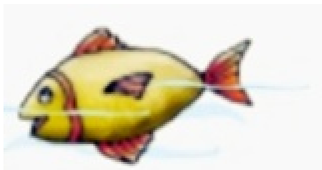

य-यज्ञ

यज्ञ हवा खों करत है शुद्ध

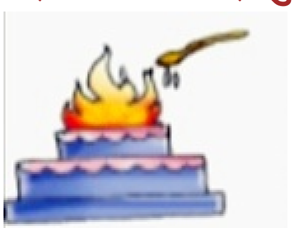

र-रथ

रथ पे राजा करत युद्ध

ल-लड़की

लड़की लड्डू पूरी खात

व-वन

वन की छाया मन खों भात

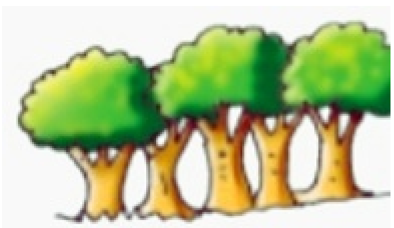

श-शलजम

शलजम मूरा गाजर खाओ

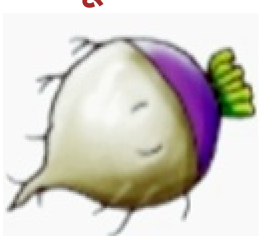

ष-षटकोण

षटकोण को चित्र बनाओ

स-सरसों

सरसुआं के हैं पीरे फूल

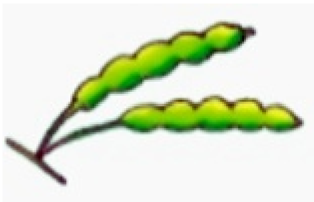

ह-हवा

हवा चली तो उड़ गयी धूल

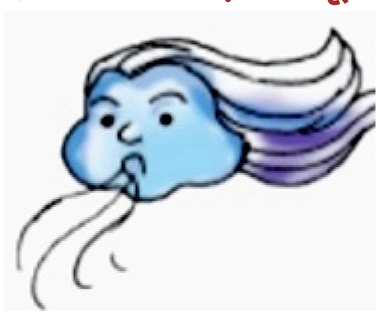

क्ष-क्षमा

क्षमा करो प्रभु बालक जान

त्र-त्रिभुज

त्रिभुज की कर लेओ पहचान

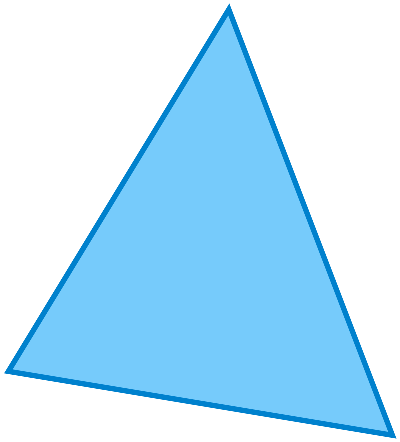

ज्ञ-ज्ञानी

ज्ञानी करें गाँव को नाम

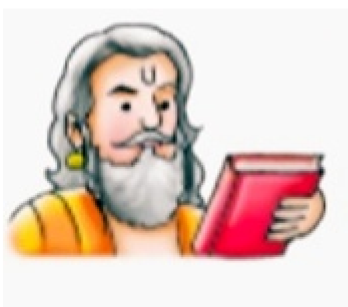

श्र-श्रम

श्रम का सदा करो सम्मान

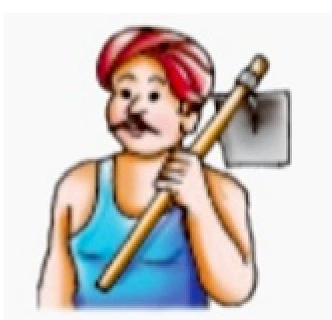

पाठ -7 पतंग

AXDK97

सर सर सर सर उड़ी पतंग

फर फर फर फर उड़ी पतंग

ई खों काटे , ऊ खों काटे

भौत लगाए , सैर सपाटे ।

अब लङ्बे में जुटी पतंग

अरे कट गई ! लुटी पतंग ।

सर सर सर सर उड़ी पतंग

फर फर फर फर उड़ी पतंग

अभ्यास

1. बताओ-
- पतंग कैसे उडी ?
- कित्ते मोड़ी-मोङन नो पतंग है ?
- कित्ते रंगन की पतंगे हैं ?

•कौन-कौन से रंगन की पतंग है ?
•कटी-कटाई कित्ती पतंगें हैं ?

2. पढ़ो और लिखो –
सर-सर, फर-फर, सैर-सपाटा

3.ऐसे पांच शब्द बोलो जी में 'र' आउत होए ।
जैसे- रजत , तरबूज , टमाटर

4.'र' सें मिलाकें शब्द बनाओ -

5.जिन चीजन को खात हैं, उनपे गोला लगा दो।

6.खेलवे वारी चीजन पै डब्बा बना दो-

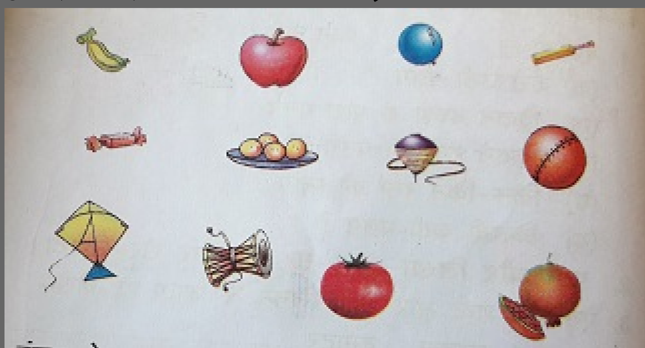

कित्तो सीखो ?

1. देखो और बताओ-
कौन नैचें ?
कौन ऊपरे?

2. देखो, गिनो और मिलाओ-

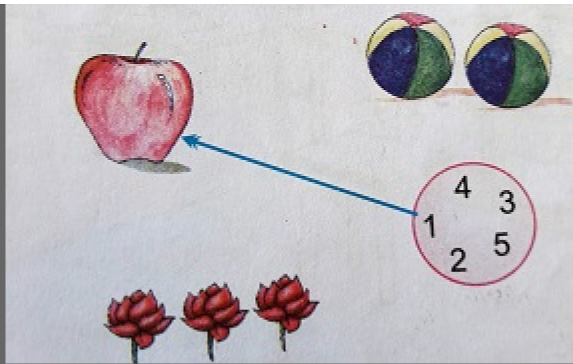

3. चित्र देखकें शब्द पूरो करो

.....नार

.........तंग

..........र

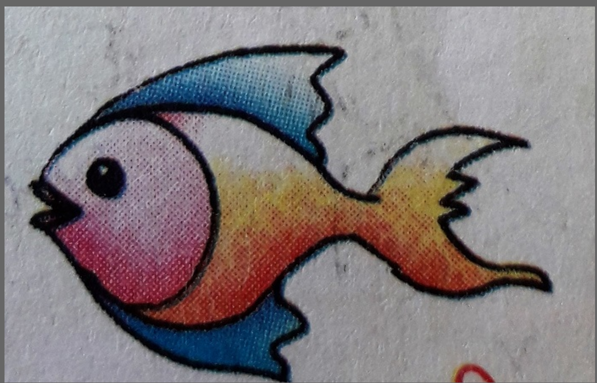

............छरी

4. बताओ- भुन्सारे सें दिन डूबे तक तुम का-का करत हो ?

पाठ 8- रसोई

MTZEY3

मिक्चर , कुकर ,भुन्टिया ,माचिस,चाकू , मोमबत्ती, बलब , मटकिया, पथरा-लोड , सब्जियां

हंसिया ,लालटेन , चाँवर , आटौ

अभ्यास

1. गिनो और लिखो

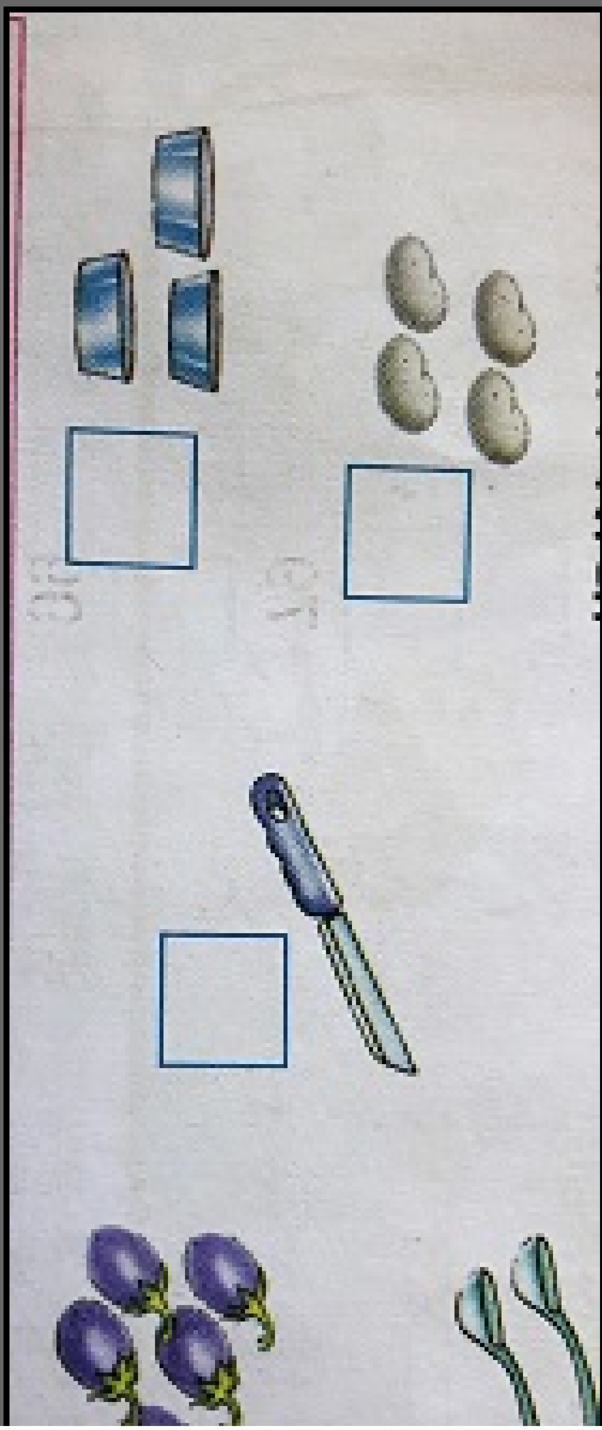

बारह खड़ी

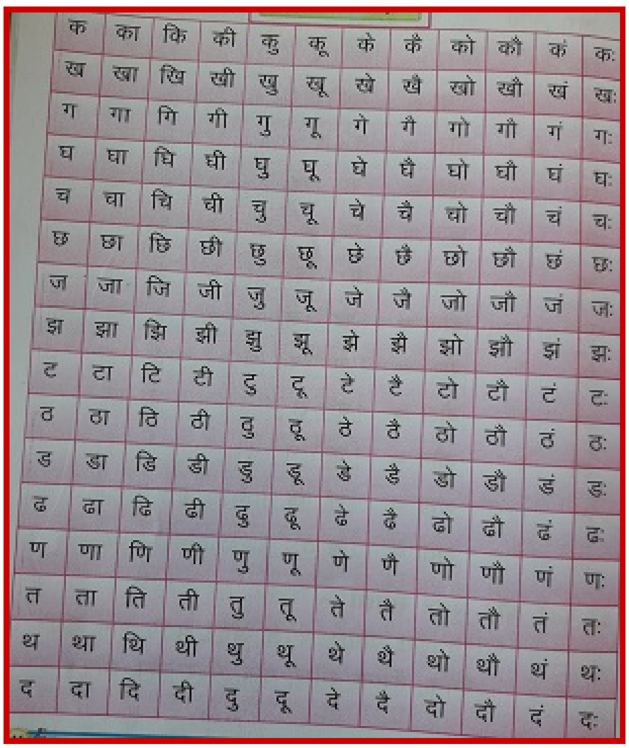

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः

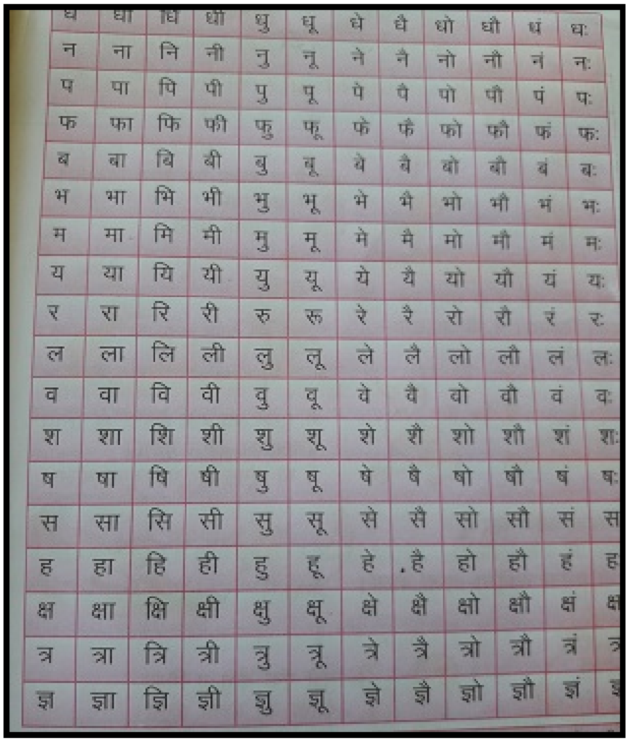

ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	स
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	. है	हो	हौ	हं	ह
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्ष
त्र	त्रा	त्रि	त्री	त्रु	त्रू	त्रे	त्रै	त्रो	त्रौ	त्रं	त्र
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञ

पाठ 9- बतक और मुर्गी

ZQL9MY

अंडा में से बतक को चैनुवां कङो । "लो , हम आ गए " बतक के चैनुवां ने कई ।

एक और अंडा में से मुर्गी को चैनुवां कङो । "हम सोऊ आ गए ।" ऊ ने कई ।

"हम तो घूमवे जा रये।" बतक के चैनुवां ने कई । "हम सोऊ संगे चल रये।" मुर्गी के चैनुवां ने कई ।

"हम तो गड्कुवा खोद रये ।" बतक के चैनुवां ने कई । "हम सोऊ खोद रये ।"

मुर्गी के चैनुवां ने कई |

"हमें एक केंचुआ मिलो।" बतक के चैंनुवां ने कई । "हमें सोऊ मिलो ।" मुर्गी के चैनुवां ने कई ।

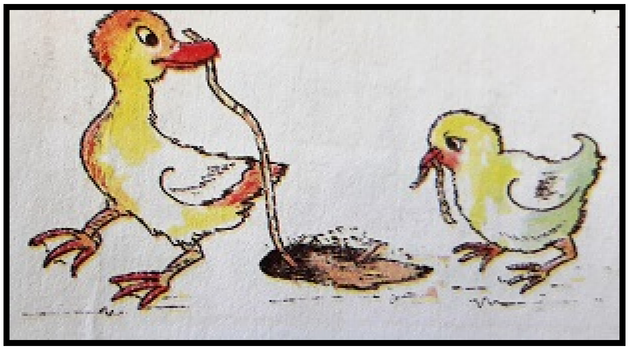

"हम पैरन चाउत।" बतक के चैनुवां ने कई । "हमें सोऊ पैरने ।" मुर्गी के चैनुवां ने कई ।

"हेरो हम पैर रये ।"बतक के चैनुवां ने कई । "हेरो हम सोऊ ...." मुर्गी के चैनुवां ने कई ।

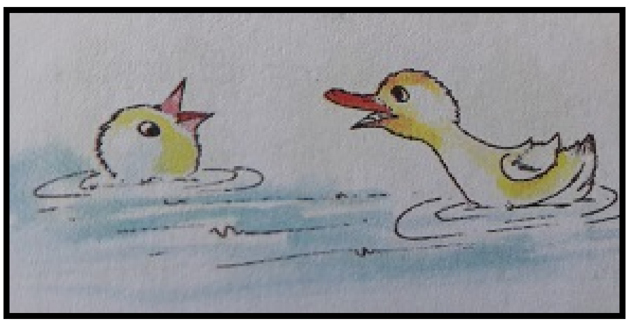

बचाओ ,,,,,,,.... एकाएक मुर्गी को चैनुवां चिल्लयानो ।

बतक के चैनुवां ने डूब रये मुर्गी के चैनुवां खों पानी में से बायरें काड़ो।

"अब बोलो कछु ।"– बतक के चेनुवां ने कई ।

"का बोलबें ?" – मुर्गी के चेनुवां ने कई ।

अभ्यास

1. नक़ल करबौ मुर्गी पे कबे भारी पड़ो ?

2. मुर्गी को चैनुआं पानी में काए डूबन लगे ?

3. बतक के चैनुवां ने चूजे की जान कैसे बचाई ?

4. गिनो और लिखो-

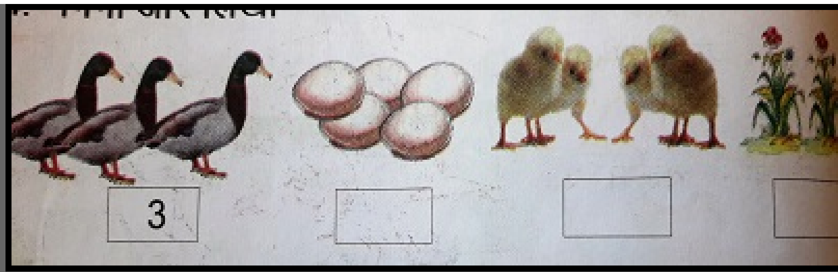

5. **बिन्दुअन खों मिलाके रंग भरो-**

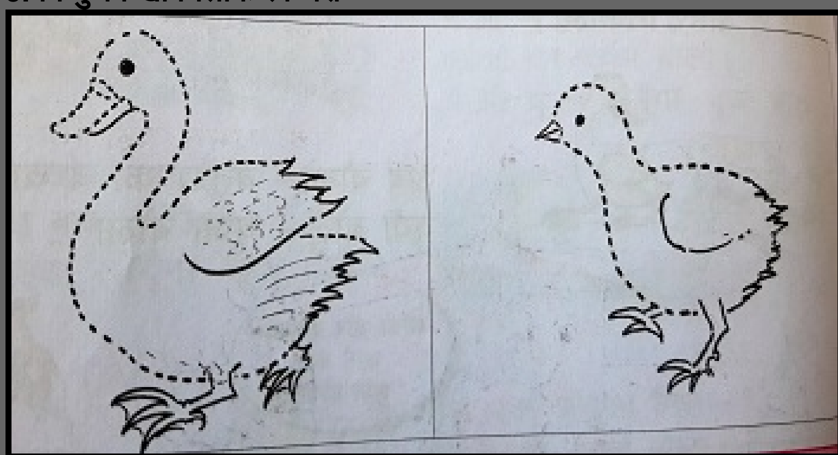

पाठ 10- सैर-सपाटा

CM84CU

गेंद, छत्ता औ डब्बा तीन दोस्त हते । तीनई ऊंची पहाड़ी पे घूमवे गए |

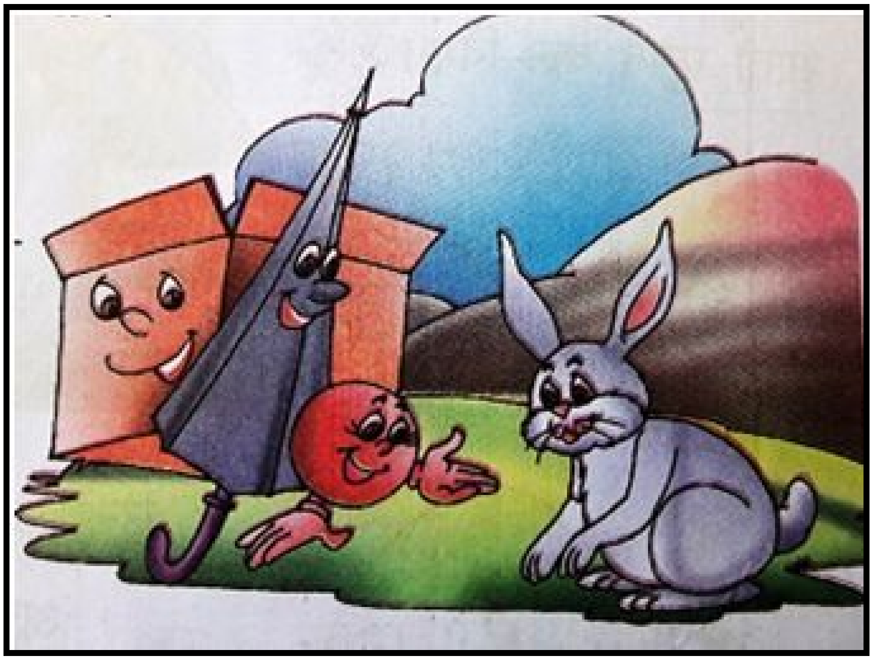

गैल में चार गोङन को खरा मिलो । चारई घूमवे चल दये|

आगें जाकें पांच कोनन की तरइय्या मिली। पांचई घूमवे चल दये |

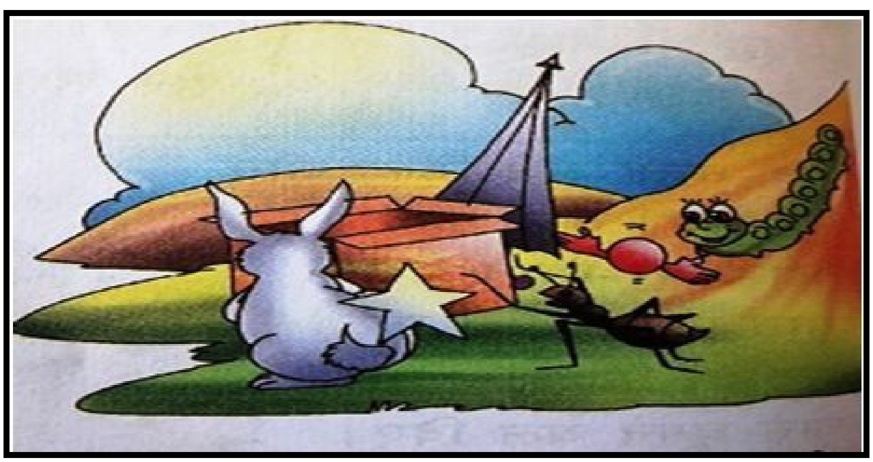

और आगें जांकें छै गोङन की चिंटी मिली । छैई घूमवे चल दये |

उनें आठ गोङन को मकरा मिलो ।आठई घूमवे चल दये |

अंगाई नो बिन्दिकियन की तितरी मिली |

अब जे नोंई के नोंई चलके पहाड़ी पे पौंच गए |

सबरे मिलके भौत खेले , कन लगे – "अहा ! मजा आ गयो ।"

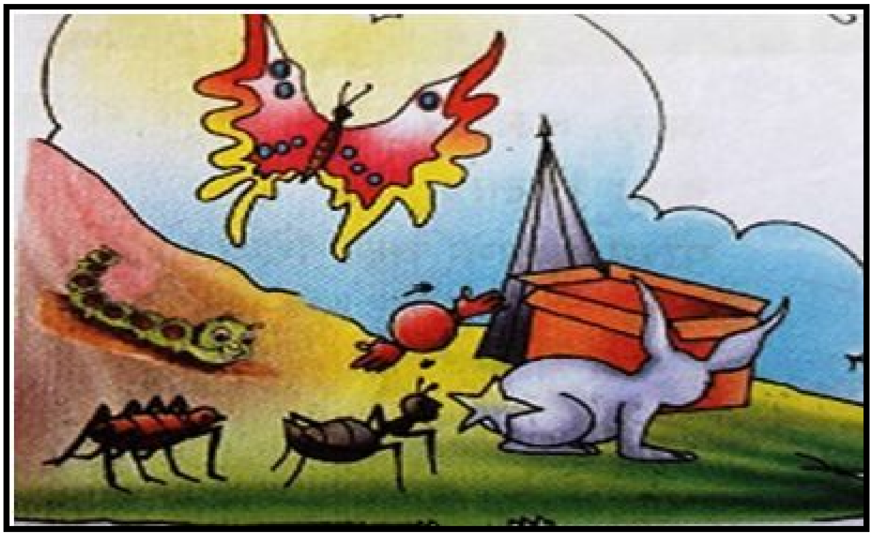

अभ्यास

1. बताओ- पहाड़ी पे सबसे पेले घूमवे को-को गओ? उने रास्ते में को-को मिलो?

2. गिनो और लिखो

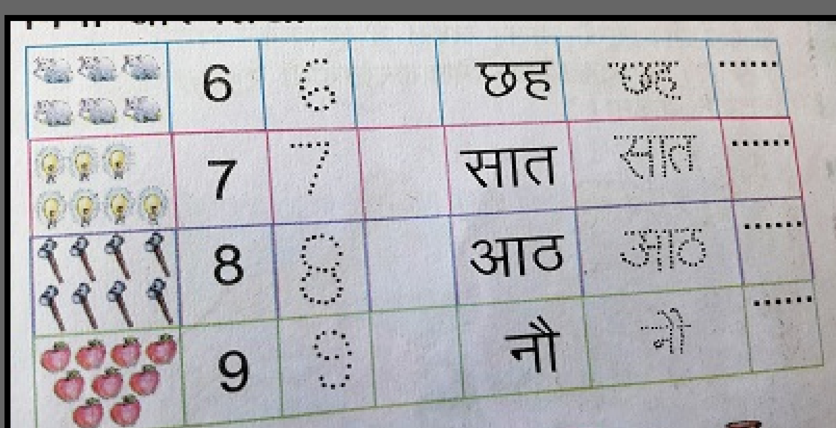

	6	6		छह	छह	......
	7	7		सात	सात	......
	8	8		आठ	आठ	......
	9	9		नौ	नौ	......

3. समूह बनाओ- ३ मटका, ४ पत्तियाँ

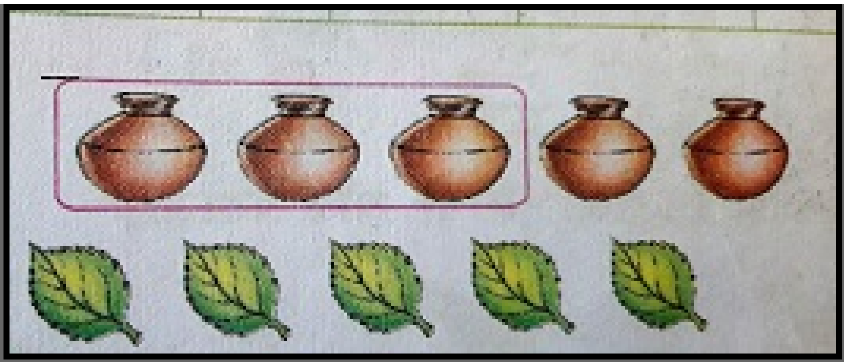

4. पढ़ो और बताओ का हुइए, कजन की दार –
(गेंद हिरा गई तो – गेंद-बल्ला नहीं खेल पें ?)

गिलास हिरा गओ तो ?
पेन हिरा गओ तो ?
मोबाल फोन हिरा गओ तो ?

पाठ 11- गिनो, बताओ

PITY2Q

पेड़ से गिरी सूकी डगार । जबरू ने जल्दईं उठाई | हलके-हलके टूंका करे ।

सब टूंकन को मिलाकें बनाओ एक बोजो |

मिलावो माने जोड्वो

अभ्यास

1. तुम भी मिलाओ , गिनो और बताओ –

2. कुल मिलाकें कित्ते ?

3. मिलार्कें भये कित्ते ?

4. घटावो माने कम करवो – मां ने आवाज़ दई- छुटकी तीन टमाटर तोर ल्याईं |
छुटकी बायरें गई |
पेड़े पर चार टमाटर लगे थे | तीन तोर ल्याईं |
अरे पेड़े पै तो एकई टमाटर बचो |

5. कितने फूंकना बचे-

कित्तो सीखो ?

1. शब्द बनाओ और लिखो –

2. जोड़ो, घटाओ और लिखो-

3 बताओ-

1. ‘बतक और मुर्गी ‘ कहानी में की खों अच्छो दोस्त केयो और काये ?
2. पने घर में बना कें खाई जावे बारी पांच चीजन के नाव लिखो |
3. पानी हमाये की-की काम आऊत?
4. पने लिगां पाए जावे वारे तीन –
   तीन फल.... ....
   तीन फूल ....
   तीन सब्जियन... ....
   के नाम लिखो?

4. घूमवे को-को दोस्त गए ?

5- बतक और मुर्गी कहानी से 'उ' तथा 'ऊ' की मात्रा वाले दो-दो शब्द ढूंढ कें लिखो –

पाठ 12- स्टेशन

V2LIDC

12
स्टेशन
टी.टी.ई.
फल
अँगीठी
ड्राइवर
57

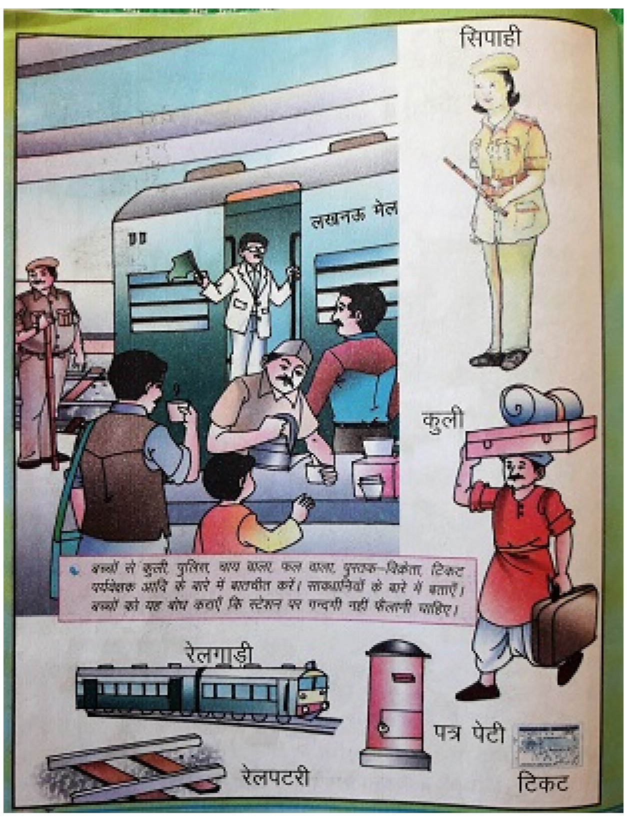

लखनऊ मेल
सिपाही
कुली
बच्चों से कुली, पुलिस, चाय वाला, फल वाला, पुस्तक-विक्रेता, टिकट परीक्षक आदि के बारे में बातचीत करें। सावधानियों के बारे में बताएँ। बच्चों को यह बोध कराएँ कि स्टेशन पर गन्दगी नहीं फैलानी चाहिए।
रेलगाड़ी
पत्र पेटी
रेलपटरी
टिकट

टीसी, डिलाइवर , फल-फलाई, गुर्सी , सिपाई, कुली, रेलगाड़ी, रेल की पटरी, डांक को डब्बा टिकट

अभ्यास

1. टेसन के चित्र में जौन चीज नइयां उनपे घेरा लगाओ|

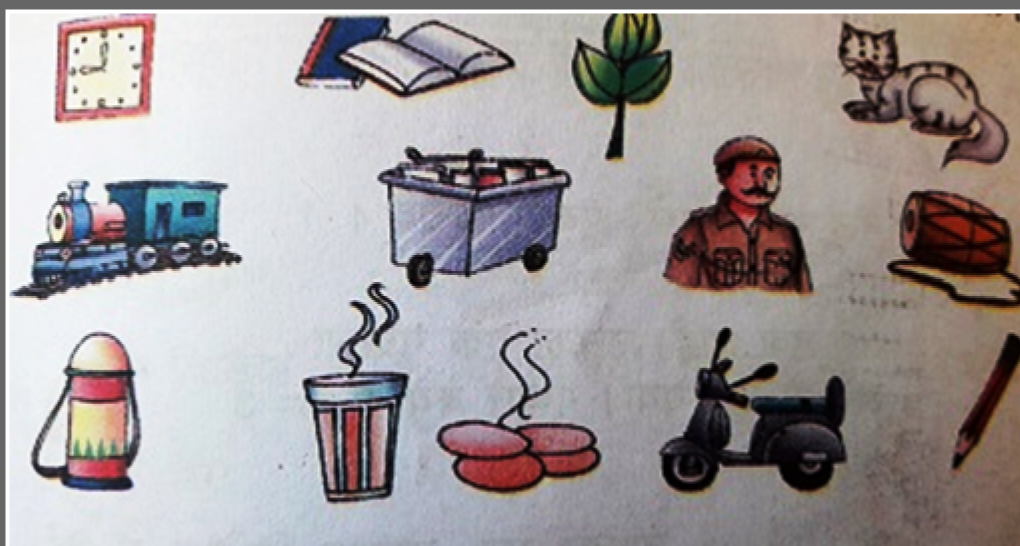

2. टेसन पर को का कर रयो?

3. टेसन पे का गलत हो रओ ? चित्र देखकें बताओ|

4. देखो और बताओ-

1. इंजन से तीसरे डब्बा में को बैठो है ?
2. बंदरा की के डिब्बा में बैठो है ?
3. चित्र में और को-को है ?
4. खाली डिब्बा में की खों बिठाव?
5. तुम की डिब्बा मे बैठवो चाव ? और काये ?

पाठ 13- उड़े गुब्बारे

नीतू गई बाज़ार | फूंकना खरीदे चार |

तेज हवा आई । ऊ को एक फूंकना हाथ से छूट गओ । फूंकना बचे ४-१ =३

उसका एक फूंकना चिरइया ले गई । गुब्बारे बचे ३-१=२

अरे नीतू को एक फूंकना फूट गओ । गुब्बारे बचे = २-१=१

नीतू ने एक बचा फूंकना आसमान में उड़ा दओ | फूकना बचे = १-१ =०

एकऊ नईं । एकऊ नईं मतलब ? शून्य । शून्य को लिखते हैं ० । नीतू के लिगां बचे शून्य यानी ० फूंकना |

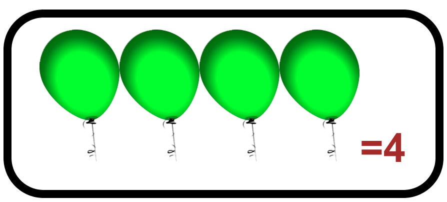

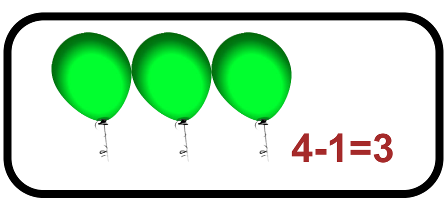

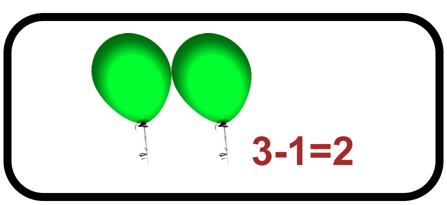

2-1=1

1-1=0

पाठ 14 – जया , जगत, जुगनू

JUU7S4

जया और जगत एक मैदना में खेल रये ते। खेलत-खेलत अंधयारौ हो गओ। दोई घर खों चले। हवा चल रई ती साँय-साँय। तबई पछाईं सें आबाज आई झीं- झीं-झीं। दोई डरा गए , पछाईं देखे सो कछु नईं हतौ। तबई आंगे सें एक करिया सी चीज दिखानी । लिगां जाके देखे सो एक झाड़ी हती । झाड़ी हवा से हल रई ती । वे जल्दी-जल्दी चलन लगे , तबई पछाईं से आबाज आई खटर-पटर , धप-धप , खटर-पटर धप-धप । दोई दौरन लगे। खटर-पटर की आबाज तेज हो गई । देखे सो एक गैया तेजी से दौरत आउत ती । गैया आंगें कङ गई । वे दोई हंसन लगे, अरे हम डरा काए खों गए ?" तबई चमकत भओ एक जुगनू आ गओ ।"अहा उजयारौ !" जया और जगत कन लगे। जया और जगत जगमग करत जुगनूके पछाईं चल दय ।

अभ्यास

बताओ -

1 - जया और जगत काय डराने?

2 - तुम कभऊं डराने? की सें डराने?

3 – जुगनू ने जया और जगत की मदद कैसें करी ?

4- कहानी में ढूढ़ों- झीं- झीं, खटर-पटर, धप-धप

6- इनकी आवाजें निकारो- मुर्गा,गैया , बकरी,बिलैया , कुत्ता, कौव्वा, परेबा

लिखो -

1 - उजयारो काय काय कें होत ?

2 - अंदयारो में की की खों दिखात ?

पाठ 15-दादा जी

WRG2GZ

गाड़ी को हल्ला सुन के मोडी-मोङा घर में सें कड आये। दादा जी आए पौधे ल्याय। पौधा उतारे गय।

सबरे बच्चा- "राम-राम दादा जी।"

दादा जी- "खूब खुश रओ।"

गोलू- काय काय के पौधा ल्याये दादा जी

दादा जी- "आम, निमुआ, जामुन और कटहल ले लियाये गोलू।"

नीलू- "हम सब जने मिल के पौधा लगाएं।"

दादा जी- "हओ सब जने लगाए।"

गोलू- "इन पौधन पे तो भोत दिन बाद फूल आए दादा जी।"

दादा जी- आज हम जिन पेड़न के फल खात उन पेड़न खो भी तो कोउ ने लगाओ हुइए।

सब बच्चा- हओ दादा जी। हम ओरें इन में रोजीना पानी डालें। खूब देखभाल करें।

दादा जी- "शाबास बेटा।"

अभ्यास

1-बताओ
क-अपने लिगां के पाँच पेड़न के नाम बताओ
ख-पेड़ हमाये की की काम में आउत ?
ग-पेड़े लगाउत में की की चीज को ध्यान देने आउत ?

2-सही शब्द चुनकें वाक्य पूरा करो-
क-गड्डा में पौधा .....लगाव चइए | (टेढो/ सीधो)
ख-पौधन की देखभाल करबौ ..... है | (जरुरी/ जरुरी नहीं)
ग-हर काम केबल पने लाने ......करे जात है | (हओ / नईं)

3-चित्र खों देखकर बताओ-
• बच्चे का कर रये

पाठ 16- ईकाई और दहाई

9N2W6V

रोली, पिताजी के संगे बजारे गई । पिता जी ने दुकानदार खों दस रुपैय्या और एक को सिक्का दओ । रोली सोचन लगी के पिताजी ने कितेक रुपैय्या दये ?वा जानत ती ९ में एक जोडबे सें १ दहाई बन जात, लेकिन एक और जोड़े से फिर का होत |

- 1 दहाई + 1 इकाई = 11
- 1 दहाई + 2 इकाई = 12

- 1 दहाई + 3 इकाई = 13
- 1 दहाई + 4 इकाई = 14
- 1 दहाई + 5 इकाई = 15
- 1 दहाई + 6 इकाई = 16
- 1 दहाई + 7 इकाई = 17
- 1 दहाई + 8इकाई = 18
- 1 दहाई + 9 इकाई = 19
- 2 दहाई +0 इकाई = 20

अभ्यास

1-छूटी भईं संख्याएं लिखो –

10...12....15....17......20 20.....17....14.....12......10

2-ठीक बाद वारी संख्या लिखो

13......,17........,19......

3-ठीक पैलें वारी संख्या लिखो

----8,......15,.......17

4-कित्ते भये

12 + 5 =

14 + 3 =

5-बड़ी संख्या को घेर दो

11 , 16

24 , 32

34 , 23

6-जो संख्या छोटी हो ऊ खों घेर दो

12,16

23, 11

34 ,15

7-मोती के लिंगा ८ सीसें(पेंसिल) और सोनू के लिगां ६ सीसें (पेंसिल) हैं |
पूरी कित्ती सीसें(पेंसिलें) भई |

8-गीता की मां बजार से १० केरा ल्याइ ।
४ केरा गीता खों दे दए |
मां के लिगां कितेक केरा बचे ?

पाठ 17- लता की कथा

आओ, खेलें

४ या ६ जने मिलकें खेलो | पनी-पनी गोटी आगे बने डिब्बा के ९९ वारे खाने पे रखो । पांसा फेंको, गिनकें बढ़ो । बंदरा वारे खाने में पौंच के दो खाने पाछे जाओ बिलैया वारे खाने में पौंच के पांच खाने पाछें जाओ । सेब वारे खाने में पौंच के तीन खाने आगे बढ़ो।

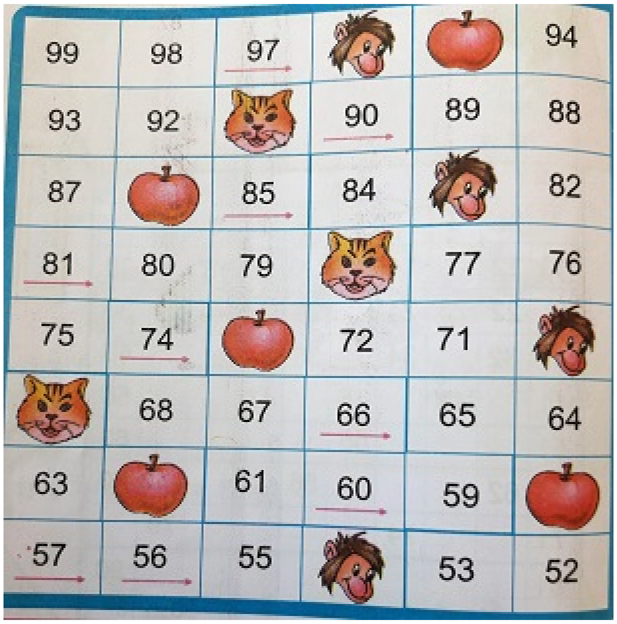

अभ्यास

1. दयी गयी संख्यन खों बढ़त में लिखो-
36, 93, 66 67, 87, 5

2. दयी गयी संख्यन खों घटत में लिखो –
76, 54 ,98 65, 34, 55

पाठ-18 जाड़ो गरमी और बरसात

S3GB7D

किट-किट , किट-किट बज रए दांत ।
कङ नईं पा रई मों सें बात ।।
थर-थर थर-थर कंप रये हम।
जाङो आओ ठुठर रये हम ।।

सन-सन सन-सन लपट चलत ।
गरम तबा सी धरती जलत ।।
आओ खाएं बरफ मलाई ।
गरमी आई गरमी आई ।।

बूंदें गिरत हैं छम-छम-छम।
बिजली चमकत चम-चम-चम।।
पानी बरसत टप-टप-टप ।
चलो रे सपरें छप-छप-छप।।

अभ्यास

1-वाक्य पढो और ऋतु को नाम लिखो –
क- जस्सी रेनकोट स्कूल मेंईं छोड़ आई ....
ख- कमलेश कमरा(कम्बल) ओढ़ के सो रओ तो ....
ग- मां ने कई - बायरें जिन जाओ , लपट लग जै | ....

2-पढो और लिखो –

3-जया खों जाड़न के दिनन में कछु दिनां के लाने कियाऊँ जाने है |
बताओ और लिखो वा पने बैग में का-का धर लेवे ?

पाठ 19- मापन

फातिमा पने पिताजी के संगे दुकान पे सामान बेचवे में मदद करत । किसान पांच हाथ की रस्सी मागंत । ऊ के पिताजी किसान खों हाथ सें नांप के रस्सी काट के दे देत । फातिमा ने सोची "ऐसे भी नापो जा सकत है।" वा पने पिता से पूछत है के लम्बी चीजें हांत से भी नांपी जा सकत है का ?
हाँ बेटा " लम्बाई खों ऐसे भी नांपो जा सकत है ।" जैसे – हाथ से, बेतिया से , उंगरिया सें और डगन से भी नांप सकत है ।"

अभ्यास

1-अब तुम सोई नांपो और लिखो-
•पने घर से लिगां के घर की दूरी (डगन सें)........
•पनी गणित की किताब की लम्बाई नापो(बेतिया सें)........
•पने सीस(पेंसिल) के डिब्बा की चौड़ाई (उंगरिया सें).....
•पने घर के कमरा की चौड़ाई (हाथ से).........

2-नैचे दई गयी लम्बाई खों तुम कैसे नांपो ?
क्रिकेट के बल्ला की चौड़ाई ....

पनी पेंसिल की लम्बाई ....
पनी कक्षा से हैंडपंप की दूरी..................
पनी टाट-फट्टी की लम्बाई ....
पनी खाट की लम्बाई.........

पाठ-20 चंदा मामा

GVNZL5

चंदा मामा आ जइयो ,
संग हमें कल ले जइयो ।
काल सें हमाई छुट्टी है ।
नईं आओ तो कुट्टी है ।।
चंदा मामा लड्डुआ खात , आसमान की थारी में ।
और पियत हैं पानी आकें,
रोजऊं हमाई थारी में ।।
थपकी देकें जब मम्मी,
हमें सुवाउत रात में ।
सो जात चंदा मामा सें ,
करत-करत फिर बात मैं ।।

अभ्यास

1-बताओ-
(क) मोड़ा चंदा-मामा सें का के रओ?
(ख) चंदा-मामा लडुआ काये में खात ?
(ग) मोंड़ा कीसें बात करत भओ सोउत है ?

2-नैचें दो दुकानें बनी , तुम कौन दुकान की मिठाई खेयो और काए ?

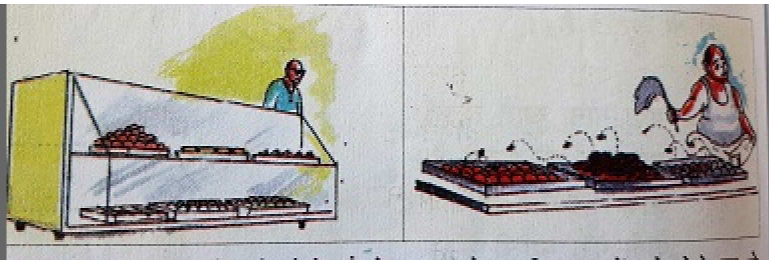

3- ढङकवें वारी चीजन खों घेरा लगाओ । सरकवे वारी चीजन में डिब्बा बनाओ ।

5-ई में सरकवे वारी चीजें ......

6-ढरकवें वारी चीजें ....

पाठ 21- मीना की दुकान

TSAUB1

अमन आज भौत खुश है । आगरा सें ऊ के चाचाजी आए हैं | दिनडूबें रेशमा , डोली, मोहित और तनु चाचा जी सें मिलवे आये हैं । चाचा जी सबरे मोड़ी-मोड़न खों लेकें मीना की दुकान सें खिलौना खरीदवे गए । मीना की दुकान पे खिलौनन के संगे उनके पैसा भी लिखे ते ।

अभ्यास

1-कौन खिलौना कित्ते को ?

हमाय रुपैय्या

5
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रत्याभूत
GUARANTEED BY THE CENTRAL GOVERNMENT
पाँच रुपये
मैं धारक को पाँच रुपये अदा करने का वचन देता हूँ।
I PROMISE TO PAY THE BEARER THE SUM OF FIVE RUPEES
गवर्नर
GOVERNOR
महात्मा गांधी
MAHATMA GANDHI
सत्यमेव जयते
LeftoverCurrency.com

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
45B 212740
₹10
दस रुपये
45B 212740

Image credit: rbi.org.in

रुपये का चिन्ह

₹

पाठ-22 जूही को जन्मदिन

स्कूल में जूही को जन्मदिन मनाओ गओ । जूही स्कूल से घरे लौटी ।
जूही- "नमस्ते माँ हम आ गये ।"
माँ- "जीती रओ बिटिया का-का भयो आज ?"
जूही- "आज तो मजा आ गओ माँ।"
माँ- अच्छा ! वो कैसे ?
जूही- "आज स्कूल में , हमाओ और वैभव को जन्मदिन मनाओ गओ माँ ।"
माँ- "अरे वा !! कैसे-कैसे ?"
जूही- "दीदी ने पौंच तई हमें बधाई दई ।"
माँ- "जो तो भौत अच्छो रओ।"
जूही – हओ माँ । फिर दीदी ने हमें मिठाई खुवाई । टॉफी भी दई । सब मोड़ी-मोड्न ने ताली भी बजाई , गाना गाये और नचे ।"

माँ- "सासऊँ तब तो तुम्हें भौत मजा आओ हुइए ।"
"तुमाये पिताजी सोऊ मिठाई लेके आऊत हुइयें ।"

संरक्षण: श्री संजय सिन्हा, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 ,लखनऊ।

अवधारणा एवं निर्देशन: डॉ0 अजय कुमार सिंह, संयुक्त शिक्षा निदेशक (एस0एस0ए0), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 लखनऊ।

समन्वय व समीक्षा:

श्रीमती दीपा तिवारी, सहायक शिक्षा निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 लखनऊ।

डॉ0 प्रदीप जायसवाल, प्रवक्ता (शोध), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 लखनऊ।
डॉ0 वन्दना मिश्रा, प्रोग्राम स्टेट प्रोग्राम मैनेजर, केयर इण्डिया, उ0प्र0 लखनऊ।
श्री मृणाल मिश्रा, सलाहकार केयर इण्डिया, उ0प्र0 लखनऊ।

लेखन:

श्री कृष्ण मुरारी उपाध्याय, प्रअ , प्राथमिक विद्यालय पठा-2(अंग्रेजी माध्यम), महरौनी, ललितपुर।
श्री शील चन्द्र जैन, सअ , पूर्व माध्यमिक विद्यालय एरावनी बिरधा, ललितपुर।
श्री बृजेश कुमार तिवारी, सअ, प्राथमिक विद्यालय - कुरोरा, ललितपुर
श्री उमाशंकर नामदेव , प्रअ , प्राथमिक विद्यालय - पडरिया, ललितपुर
श्री नीरज द्विवेदी , सअ, उच्च प्राथमिक विद्यालय - कुआगांव , ललितपुर
श्री अनंत तिवारी , सअ, प्राथमिक विद्यालय - देहरे बाबा , ललितपुर
श्री हरिश्चंद्र नामदेव , सअ, उच्च प्राथमिक विद्यालय - मैलवारा खुर्द , ललितपुर
श्री मुकेश कुमार नायक , सअ, उच्च प्राथमिक विद्यालय - पठा , ललितपुर

आडियो :

आराध्या तिवारी , कक्षा-3 , प्राथमिक विद्यालय कुरोरा,ललितपुर |
प्रतिमा उपाध्याय , कक्षा-7 , उच्च प्राथमिक विद्यालय पठा ललितपुरI

कवर पेज:

श्री गणेश चन्द्र डे - स्वतंत्र चित्रकार उ0प्र0 लखनऊ।

चित्रांकन एवं डिजाईन:

सुश्री प्रतीक्षा चैहान, सलाहकार राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 ,लखनऊ।

आभार: स्थानीय भाषा पर आधारित पाठ्य पुस्तक के विकास में आरम्भिक पठन कौशल के अन्तर्गत विकसित की गयी पी0एल0सी0(PLC)-पलाश, नींव, छितिज के सदस्यों व संस्था केयर इण्डिया द्वारा विकसित की गयी सामग्री का भी संदर्भ लिया गया है। हम उन सभी के प्रति अपना आभार व्यक्त करते है।

आपको यह e-book कैसी लगी ,कृपया फीडबैक देने की कृपा करें -प्राणेश भूषण मिश्रा, 9559115884